Conditions That Are Hard To Diagnose-

1} इर्रिटेबल बाउल सिंड्रोम **(IBS)-** यह स्थिति आपके पेट में दर्द और शौच की आदतों में बदलाव पैदा करती है, जो कम से कम 3 महीने तक चलते हैं। डॉक्टर यह सुनिश्चित करेंगे कि आपको लैक्टोज इन्टॉलरेंस, सीलिएक डिजीज, बैक्टीरियल इन्फेक्शन या परजीवी जैसी कोई अन्य बीमारी न हो, इसके बाद ही वे इस बीमारी का निदान कर सकते हैं।

2} सीलिएक डिजीज-इसमें जब आप ग्लूटेन (जो गेहूं, जौ और राई में पाया जाता है) खाते हैं, तो आपकी इम्यून सिस्टम गलती से आपके पाचन तंत्र पर हमला करती है। यह आमतौर पर डायरिया, थकान और वजन घटने का कारण बनती है, लेकिन आपको जोड़ों में दर्द, रैश, सिरदर्द, डिप्रेशन और दौरे भी हो सकते हैं।ऐसे लक्षण अल्सर, क्रोहन रोग और IBS में भी हो सकते हैं। डॉक्टर ब्लड टेस्ट और छोटी आंत से एक टिशू सैंपल लेकर जांच करते हैं।

3} एपेंडिसाइटिस-यह तब होता है जब आपकी अपेंडिक्स (छोटी अंगुली जैसी थैली जो आंत से जुड़ी होती है) में सूजन आ जाती है। यह आमतौर पर नाभि के पास दर्द से शुरू होता है और फिर नीचे की ओर बढ़ता है। मितली, उल्टी, बुखार, कब्ज या डायरिया हो सकता है।यह तुरंत डायग्नोज नहीं हो पाता क्योंकि इसके लक्षण क्रोहन डिजीज, पेल्विक इंफ्लेमेटरी डिजीज, आंतों की रुकावट और कोलाइटिस से मिलते-जुलते हो सकते हैं। शारीरिक परीक्षण और इमेजिंग टेस्ट से इसकी पुष्टि होती है।

4} हाइपरथायरायडिज्म-जब आपकी गर्दन में स्थित थायरॉइड ग्रंथि अधिक मात्रा में थायरॉक्सिन हार्मोन बनाती है, तो यह स्थिति होती है। आप चिड़चिड़े, बेचैन या घबराए हुए महसूस कर सकते हैं, जिससे यह मूड डिसऑर्डर जैसा लग सकता है। वजन कम होना, हृदय की तेज धड़कन और असामान्य पसीना भी लक्षण हो सकते हैं।इन लक्षणों के साथ-साथ ब्लड टेस्ट निदान में मदद करते हैं।

5} हाइपोथायरायडिज्म-अगर आप थके हुए महसूस करते हैं और आपका वजन बढ़ रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि थायरॉइड पर्याप्त थायरॉक्सिन नहीं बना रहा है। इससे आपके बाल झड़ सकते हैं, मल त्याग में बदलाव हो सकता है, और ठंड या गर्मी के प्रति संवेदनशीलता बढ़ सकती है।ब्लड टेस्ट और लक्षणों के आधार पर डॉक्टर इसका पता लगाते हैं।

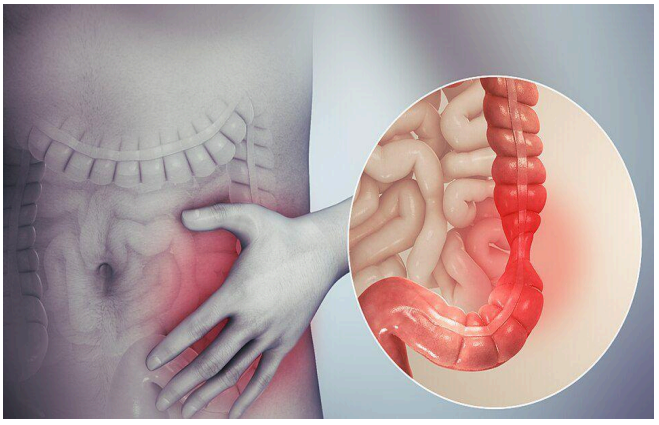

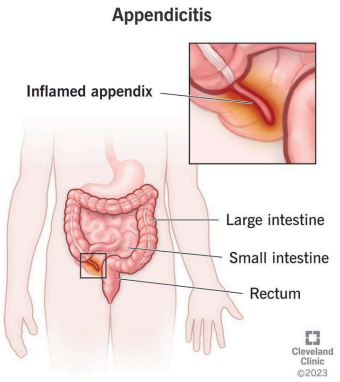

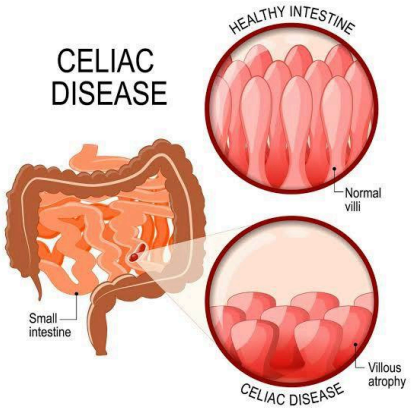

Conditions That Are Hard To Diagnose-

6} स्लीप एपनिया-इसमें नींद के दौरान आपकी सांसें रुक-रुक कर चलती हैं। आप सुबह चिड़चिड़े और सुस्त महसूस कर सकते हैं, साथ ही मुँह सूखा हुआ, गले में खराश और सिरदर्द हो सकता है। ये लक्षण फ्लू, सर्दी या अन्य बीमारियों से भी मिल सकते हैं।इसकी पुष्टि के लिए डॉक्टर "स्लीप स्टडी" की सलाह देते हैं, जिसमें सोते समय आपकी मस्तिष्क गतिविधि, हृदय गति, सांस और ऑक्सीजन स्तर रिकॉर्ड किए जाते हैं।

7} लाइम डिजीज-यह तब होती है जब हिरण के काटने से एक विशेष बैक्टीरिया शरीर में चला जाता है। "बुल्स-आई" जैसा रैश इसका संकेत हो सकता है, लेकिन हर किसी में नहीं होता। सिरदर्द, जोड़ों का दर्द और चक्कर आना इसके लक्षण हैं, जो अन्य बीमारियों से भी हो सकते हैं।ब्लड टेस्ट शुरुआती हफ्तों में नॉर्मल हो सकते हैं, इसलिए वैज्ञानिक नए डायग्नोस्टिक तरीकों की खोज में हैं।

8} फाइब्रोमायल्जिया-इसका कोई टेस्ट नहीं होता। डॉक्टर पहले यह सुनिश्चित करते हैं कि आपके शरीर में दर्द गठिया, ल्यूपस आदि से नहीं है। अगर आपको नींद में परेशानी या एकाग्रता की दिक्कत है, तो वे डिप्रेशन या एंग्जायटी को भी रूल आउट करेंगे। यदि अन्य कारण न मिले और लक्षण लंबे समय से बने हों, तो फाइब्रोमायल्जिया का निदान किया जा सकता है।

9} ल्यूपस- इसमें आपकी इम्यून सिस्टम आपके ही टिशू और जोड़ों पर हमला करती है। इससे पूरे शरीर में थकान और दर्द हो सकता है, जो गठिया या फाइब्रोमायल्जिया से मिलता-जुलता है। कुछ लोगों में खास तरह का रैश दिखता है, जो निदान में मदद करता है।लेकिन यह हर किसी में नहीं होता और कोई एक टेस्ट इसकी पुष्टि नहीं कर सकता। शारीरिक परीक्षण और अन्य बीमारियों को रूल आउट करने के बाद ही डॉक्टर निदान करते हैं।

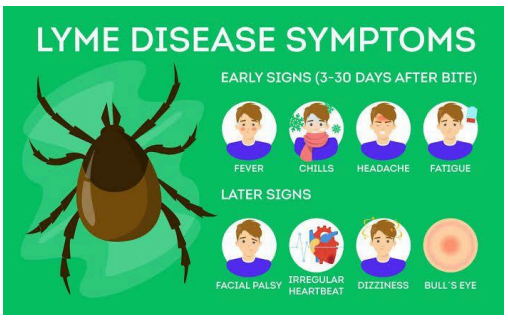

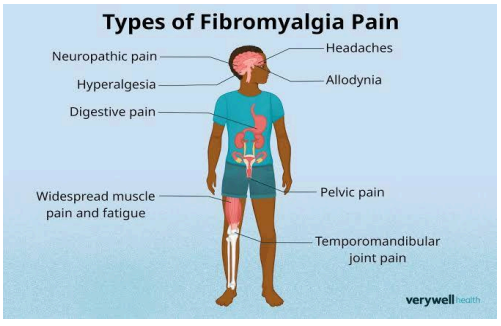

10} पार्किंसन रोग-इसमें मस्तिष्क की कोशिकाएं ठीक से काम करना बंद कर देती हैं। हाथ कांपना, गर्दन जकड़ना, संतुलन बिगड़ना और चेहरे की अभिव्यक्ति बदलना इसके लक्षण हैं। लेकिन ये लक्षण स्ट्रोक, सिर की चोट, अल्जाइमर या तनाव से भी हो सकते हैं।कोई मानक टेस्ट नहीं है, लेकिन डोपामिन के उपयोग को दिखाने वाली इमेजिंग जांच से मदद मिल सकती है।

11} मल्टिपल स्केलेरोसिस (MS)-यह रोग तब होता है जब इम्यून सिस्टम नसों की परतों पर हमला करती है, जिससे मस्तिष्क और शरीर के बीच संपर्क प्रभावित होता है। थकान, नजर की समस्या, कमजोरी, चक्कर और डिप्रेशन जैसे लक्षण होते हैं, जो अन्य कई बीमारियों से मिलते हैं।इसका कोई एक टेस्ट नहीं है, लेकिन MRI स्कैन या स्पाइनल फ्लूड टेस्ट निदान में मदद करते हैं।

Conditions That Are Hard To Diagnose-

12} क्रोनिक फटीग सिंड्रोम (CFS)- यदि आपको बिना किसी स्पष्ट कारण के 6 महीने या उससे अधिक समय तक थकान रहती है, तो यह इसका संकेत हो सकता है।इसके साथ गले में खराश, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, नींद की समस्या और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई हो सकती है।यह लक्षण स्लीप एपनिया, थायरॉइड समस्याएं, एनीमिया, मधुमेह आदि से भी हो सकते हैं। इसका कोई टेस्ट नहीं है, इसलिए डॉक्टर अन्य कारणों को रूल आउट करने के बाद इसका निदान करते हैं।

13} पॉलीसिस्टिक ओवरी सिंड्रोम (PCOS)- डॉक्टर इस बीमारी के निदान को लेकर एकमत नहीं हैं, लेकिन वे इन लक्षणों को देखते हैं:
* एक या दोनों अंडाशयों में सिस्ट
* अनियमित पीरियड्स
* ऐंड्रोजन हार्मोन के उच्च स्तर के संकेत जैसे अधिक बाल या मुंहासेअगर ये लक्षण हों, तो डॉक्टर खून की जांच से ग्रंथि-संबंधी अन्य बीमारियों को रूल आउट करते हैं।इसके बाद मेडिकल इतिहास, शारीरिक परीक्षण और अल्ट्रासाउंड की मदद से PCOS का निदान किया जाता है।

14} एंडोमेट्रियोसिस-इसमें गर्भाशय की परत (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय के बाहर उग आती है। इससे निचले पेट में तेज दर्द और गर्भधारण में समस्या हो सकती है। इसके लक्षण अंडाशय की सिस्ट या IBS जैसे हो सकते हैं।इसका सही पता लगाने के लिए लैप्रोस्कोपी की जाती है — इसमें पेट में छोटा चीरा देकर लाइट और कैमरे वाली ट्यूब से अंदर देखा जाता है, और आवश्यकता होने पर ऊतक का नमूना भी लिया जाता है।

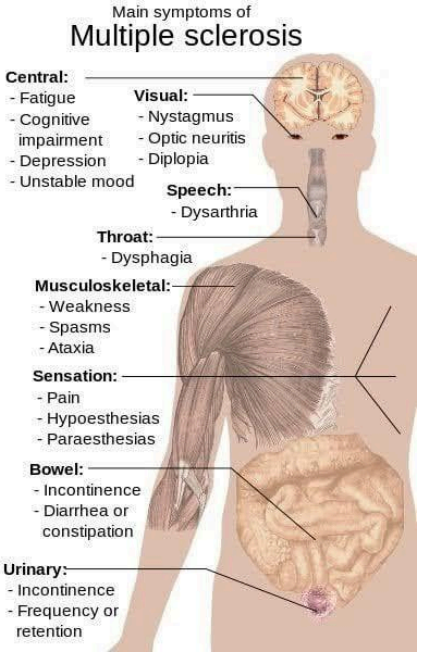

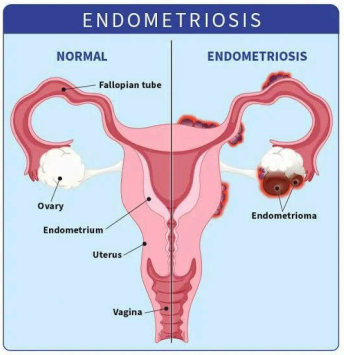

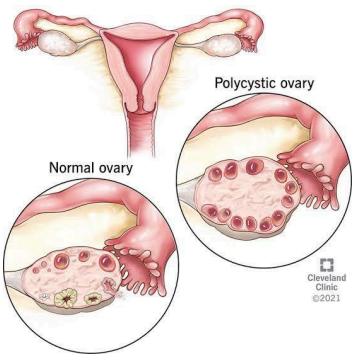

Dr.Ashish Sharma
HOD and Professor
Department of Medicine
OPD -CRGH on Monday
Mobile No.-9826142818